



VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 08 SEP 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	prem singh		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	113540
Center	M.H. Delhi	Date	01/09/2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar
Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

SECTION - A

1. (a) Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. (150 words) 10

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

परोपकारिता वह मूल्य है जिसमें हम दूसरे व्यक्ति के कल्याण व भलाई के लिए प्रयास करते हैं ताकि उनके ~~कल्याण~~ कष्टों का नाश हो सके। उदा. दान, दया, सार्वजनिक स्थलों पर जल सुविधा, निराश्रित व गरीबों की सेवा (त्याग)।

परोपकारिता उभूज मूल्य क्यों

- ① सामाजिक कल्याण व सन्तुष्टि का भाव
"तुलसीदास " पराहित सरित् धरम नही नारी"
- ② सुखेद व निराश्रित, संसाधनहीन व्यक्तियों की सेवा व उत्थान का भाव -
उदा. विवेकानंद की दरिद्रनारायण की भावना।
- ③ समाज में शान्ति, उन्नति, दया, स्नेह, साम्यवादों की भावना व मूल्यों का संजाल बनने हेतु।

④ संसाधनों का समान वितरण का
जिसे संघर्ष भी समाप्ति, समानता, स्वतंत्रता,
वैधुत्व, एकता, अखण्डता, मानवता का
भाव उत्पन्न होता है - आ. के. पी. के. द्वारा
'कारपोरेट सामाजिक उत्तर दायित्व' का
कार्य

जीवन प्रोपकारित्व बढ़ाने के उपाय

① सकारात्मक सामाजिकरण
तथा मूल्यों का संरक्षण

- परिवार
- विद्यालय
- समाज द्वारा

② आदर्श उदाहरणों को प्रचारित करने
के - अजीम उमजी, फिल गेलन, बालेन
बेफेल्स

③ धार्मिक व ऐतिहासिक धर्मों को से प्रेरणा
उदा. - राजा शिव, महर्षि दायिचि

④ कल्याणकारी राज्य तथा संविधान के
उद्देश्यों को प्राथमिकता

जहाँ प्रोपकारित्व बढ़ाया जा रहा है और किसी
न किसी रूप में लोकार्पण करने का काम प्रारंभ कर
ही है। इसमें मानव कल्याण के समग्र भाग शामिल
हैं।

1. (b) Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. (150 words) 10

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

"It is good to be good" अर्थात् सही होना

ही सही है। व्यक्ति के जीवन में निम्न कार्य करना है कुछ सही व कुछ गलत होते हैं।

मानवता की मर्यादा व सेवा को ध्यान में रखकर निम्न कार्य जैसे - ईमानदारी, सच्चिदाता, दया, करुणा।

उदा० - किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत स्वरूप ईमानदार व सच्चिदाता होता, यद्यपि वे स्तर पर उच्च परिणाम उत्पादन नहीं करेंगे।

सही कार्य के मानदंड

- ① सच्चिदाता, सत्पनिष्ठा, ईमानदारी, निःस्वार्थनिष्ठा, बहुविष्टता, जागरूकता।
- ② विधि का शासन, कानून का शासन।
- ③ सामाजिक समानता, समितिके साथ

लैंगतगतिक, मानव जाति की प्रगति व
विकास

क) देश उन्न, मानवता के आधुनिक मूल्य,
गरिमा, निम्नता का सम्मान प्राप्त

आ. जैसे:- स्वतंत्रता मादिला के जीवन
की सुरक्षा हेतु * गर्व में पल रहे
गुण की हला

आ. 1. श्री सरद डेवाल के जिला कोमल
रमागौल रामाराव द्वारा कृषि सिंचाई हेतु
16000 तालाबों का निर्माण " यह उपक्रम

चोटे के लाल प। लाभ प्राप्त न हो
पान्डु लाल लाल लाल पुष्पावली का मेरगा

आ. 2. संरक्षण परिस्थिति में भी सत्य
से पीछे नहीं हटना तथा लक्ष्य के
उत्ति हस्ता व उत्तिहस्ता से लगे रहना
चोटे किलने भी कर डगने पंड

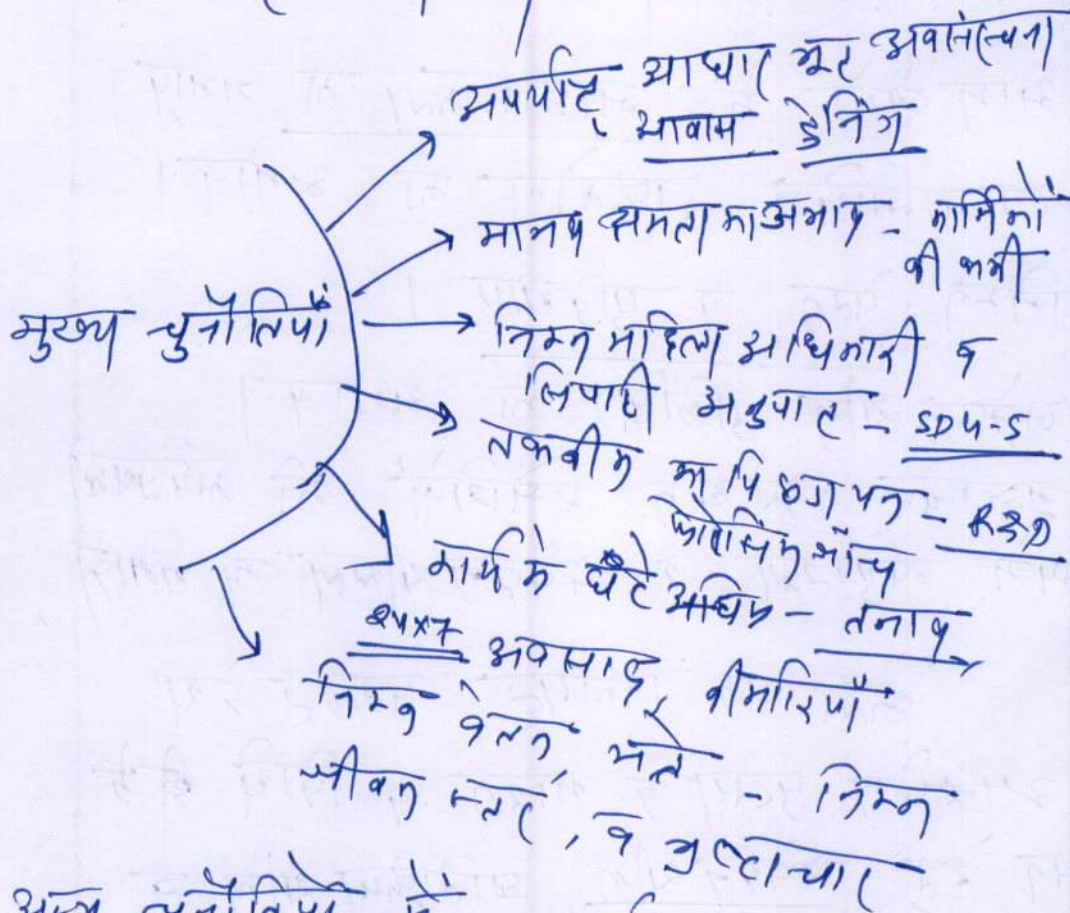
कला नार्म का परिणाम ~~स्वी~~ स्वी

मात्र प्रतिष्ठा का निर्धारण नहीं है कला की भावना
इंद्रिय भी समान महत्व रखें हैं

2. (a) With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. (150 words) 10

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

विधि आयोग की हालिया रिपोर्ट तथा NCRB के आंकड़ों के अनुसार भारतीय पुलिस प्रणाली बहुत चुनौतीपूर्ण स्थिति में कार्य कर रही है।



अन्य चुनौतियाँ हैं - कार्य आ अधिष्ठा, विकास व प्रमोशन की निम्न स्थिति, निम्न प्रशिक्षण, स्वाध्याय इत्यादि।

प्रस्तावना के मुख्य कारण

- ① औद्योगिकीकरण मानसिकता - पुलिस में मार्क्सवाद का स्वभाव।
- ② व आपराधिक तत्वों में संगठित गैरजाति
- ③ अपराधी प्रक्रिया - लम्बी व वीरिल न्यायिक प्रक्रिया।
- ④ भाग लेने में जागरूकता का अभाव।
- ⑤ जावसायिक दृष्टिकोण का अभाव।
- ⑥ निम्न वेतन व सुविधाएँ।
- ⑦ सेवेदनशील पुलिस का अभाव।
- ⑧ प्रस्तावना निरोधक प्रेमेशियों की अधिकता के अर्थ में अप्रयुक्तता व सेवेदनशीलता का अभाव।

अतः एक विनिश्चित, लक्ष्य डेटा की आन्तरिक सुरक्षा व कानून व विधि के शासन हेतु सेवेदनशील, प्रतिक्रियाशील व जनकेन्द्रित व जनसहयोगी पुलिस उगाही आवश्यक है।

2. (b) A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. (150 words) 10

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

व्यावसायिक क्रियाओं में कॉर्पोरेट गवर्नेंस के सिद्धांतों, नियमों व आवश्यकताओं का उचित पालन करना ही नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस है।

अर्थात् → CSR गतिविधियाँ

→ ईमानदारी व पारदर्शी कार्य प्रणाली
→ हितधारकों के दिलों का सम्मान व सुरक्षा

भावना व संरचना के संयोजन की श्रमिका

① कॉर्पोरेट के नियमों, नीतियों व क्रिया विधियों को ईमानदारी, पारदर्शिता, व्यावसायिक सिद्धांतों से आच्छादित किया जाना →
इस क्षेत्र बाजार में इन्सपराइज्ड होना।

② CSR गतिविधियाँ आ गच्छा व ईमानदारी पूर्ण संचालन - महत्वा की नहीं बल्कि, ONDC की खेल

सम्बंधी क्रियाविधियाँ

③ भाषाओं व ज्ञान की अभिवृद्धि की सामग्रियों के जगत्गत कार्य संस्थाओं व अभिवृद्धि की निर्माण होता है
जिससे - जगत्गत में कार्य संस्था व
संस्थाओं में अभिवृद्धि की भाषा

④ स्थापना में रीम भाषा व हमारी
भाषा का विकास जैसे - ताला केंद्र
के जाल

इस ज्ञान की संस्था व भाषा

कार्योत्तर अभिवृद्धि के साथ-साथ
राष्ट्र निर्माण, औद्योगिक विकास, सामाजिक
कल्याण व नेहरू के उद्देश्य की पंथ
करती है

3. (a) It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. (150 words) 10

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

सुशासन शासन की जन केंद्रित, पारदर्शी, उत्तरदायी, न जन सहभागिता पूर्ण नैतिक आचरण उच्च शासन उभाली है जिसका उद्देश्य लोक नैतिक, सज्जन नागरिक व सहयोगी सुशासन की स्थापना करना है।

नैतिक आचरण व सुशासन में नागरिकों की भूमिका

- ① लोक सेवकों की नीतियों व योजनाओं की समानतापूर्ण उगावी जिम्मेदारता हेतु उदा० - स्वच्छ गारु आकिकान की सफलता में नागरिकों का अवधिक योगदान है - ईदो उशासन के माध्यम नागरिकों की जिम्मेदारी पूर्ण तौरों में स्वरूपता सर्वेक्षण में उच्च स्तर

- ② नागरिक की शांति, जमानता, विमानता, कानून का पालन, सत्यनिष्ठा

अधिकारों व कर्तव्यों के उचित जागरूकता
होने से निम्न अपराध पर

- ③ महिलाओं का सम्मान व महिलाओं
पा होने वाली अपराधों व अत्याचारों में कमी
- ④ पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को उदा-
स्मिता महाकाल द्वारा चलाया गया
जंगल मोर लिवी मिशन - नागरिक
सहभागिता।

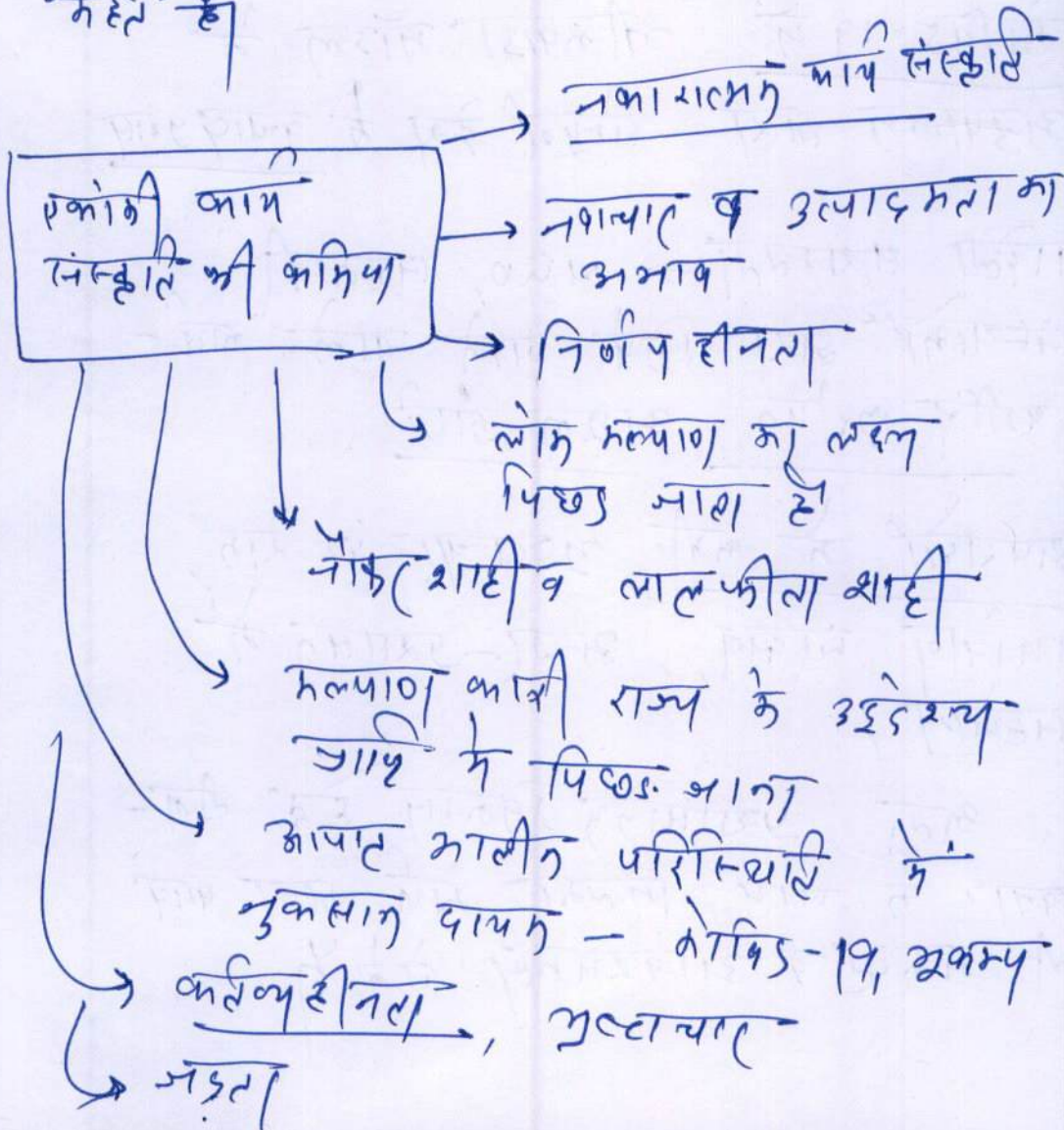
- ⑤ सरकारी योजनाओं का उचित विभाजन
- एक कुपोषण रक्षा पुणेडु को सम्बन्धी
योजनाओं के विभाजन हेतु " दलिया
मिल उखासन (मध्य प्रदेश) उद्योगों की
समस्याओं का समाधान।

अतः नागरिक व लोक प्रशासन दोनों
में अत्यधिक सम्बन्ध है। दोनों बात
मिलकर ही गांधीजी के बीज व वृक्ष की
तरह उखासनीय विकास व सुशासन को
स्थापित करते हैं।

3. (b) Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. (150 words) 10

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभागिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

किसी भी संस्था, संगठन में कार्य निष्पादन हेतु, अधिकारों का प्रिय प्रत्या, सिद्धांतों, वास्तविकता, कार्य विभाजन इत्यादि को सम्मिलित रूप से कार्य संस्कृति कहते हैं।



सहयोग, समन्वय व सहभागिता का महत्व

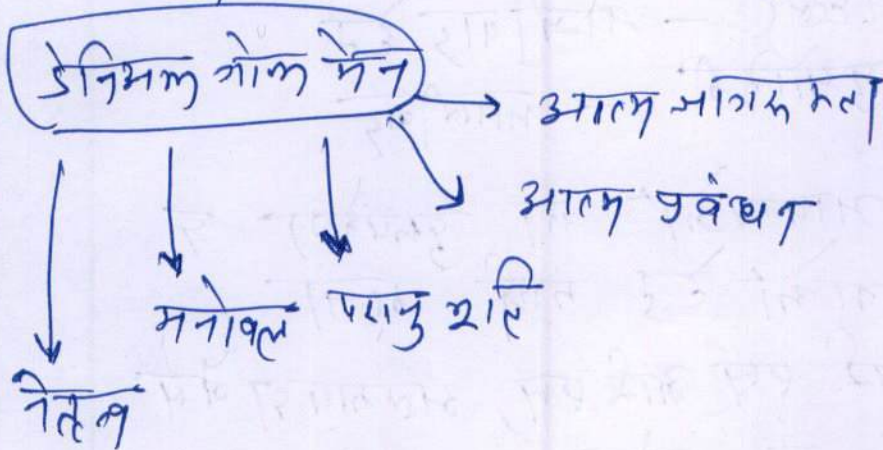
- ① सुशासन की स्थापना - NRM के
- ② डा समिर कारी (DAS)
- ③ जन क्रेडिट, कल्याण कारी व लोकलैडिग सिद्धान्तों की स्थापना।
- ④ आपदा स्थिति में लाभदायक जैसे - कोविड-19 में जीवनवादा मौसम के अनुपालन द्वारा - सम्पूर्ण देश में व्यापक प्रसार
- ⑤ महिला समन्वय - NCO, सहकारी संस्थाओं द्वारा किए जाने वाले कार्य - कारिज गुरीपन अग्रण श्रौरी
- ⑥ अपराधों में कड़ी उल्लेखा पर रोक, पंचविण संक्षण, अन्तः-प्रशासन में सहयोग।

अतः प्रशासनिक विकास हेतु वीम-भावन के साथ मिलकर कार्य करना सम्य की जरूरत व आवश्यकता दोनों हैं।

4. (a) While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. (150 words) 10

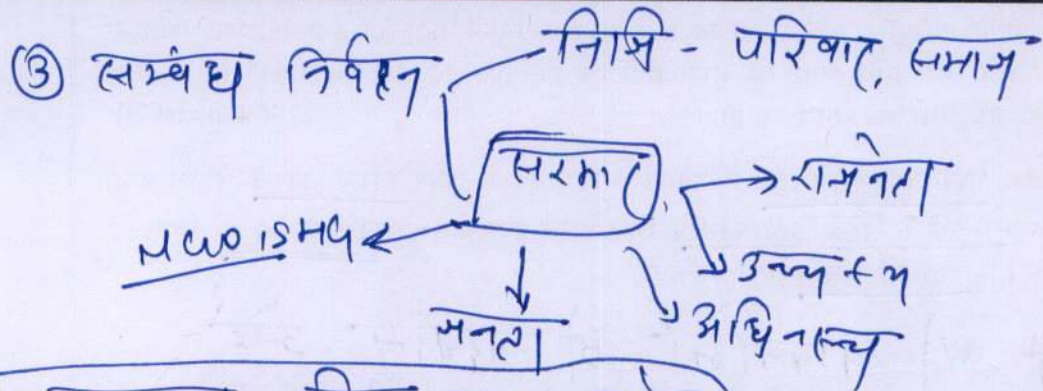
हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

स्वयं की भावनाओं की पहचान, उन्हें प्रबंधित करना तथा दूसरों की भावनाओं के साथ समन्वित करने के उद्देश्य से प्रबंधित की जाने वाली भावनात्मक बुद्धिमत्ता है।



लोक सेवकों हेतु आवश्यकताएं

- ① प्रशासनिक कार्य
 - विधि भाषा
 - कार्य संस्कृति
 - आपदा स्थिति - मोबिलिटी - 14
- ② भावनाओं का विप्लवपूर्ण व संतुलित होना हेतु।



भावनात्मक दुर्विचार का दुरुपयोग

① जनता को अपने स्वार्थपूर्ण व घृणित
कार्यों हेतु इस्तेमाल करना उद्ध
उदा० - हिलर - नाजीवाद हेतु
मुसोलिनी - फासीवाद

② धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग व
आर्थिक धनताओं हेतु मार्ग बनाना
उदा० - आई एम आई एम, अलकायदा जैसे
संगठन व लोहेन

③ विकास कार्यों में विघ्न जताने का
कार्य

④ लोगों को अपराधों व साम्प्रदायिक
हेतु भड़काना - व भारतीय, धार्मिक
द्वेष, हेट आदि उदाहरण

अतः भावनात्मक दुर्विचार का उपयोग
समाजवाद व समाजवाद दोनों में हेतु बिना
साधने

4. (b) Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभासी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

किसी व्यक्ति की सोच, कार्य, अभिवृत्ति व प्रवृत्तियों को सामाजिक विवेक के दृष्टि में धारण का परिवर्तन करने की प्रक्रिया को हम ही सामाजिक प्रभाव कहते हैं।

विरोधाभासी अवधारणा क्यों

कारण

① बौद्धिक सामाजिक सुधार तथा व्यक्तियों का अंतर - उदा० राजा राम मोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर तथा महिला सुधार → सती प्रथा विरोध विधवा विवाह

② देशभक्ति व राष्ट्रीयता के आविष्कार हेतु कार्य - राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम - गांधी जी।

- ③ लक्ष्मण काशी सुधार - निमाना,
स्वतंत्रता, अल्पसंख्यक और, महिला
संरक्षण, शिक्षा का प्रसार इत्यादि
- स्वतंत्र गृहण आंदोलन - विनोबा भावे

सामाजिक प्रभाव नकारात्मक

- ① महिलाओं के प्रति भेदभाव शून्य करने
का प्रयास - स्वायं सहायता

- ② धार्मिक व साम्प्रदायिक विवाद व भ्रष्टा
चाल व अंधविश्वास का रोकथाम - साम्प्रदायिकता
की भावना

- ③ - सकारात्मक लोकसंस्कार सुधार का
विरोध - ग्रामीण क्षेत्रों में - जातीयवाद,
पावनवाद व आश्रमवाद।

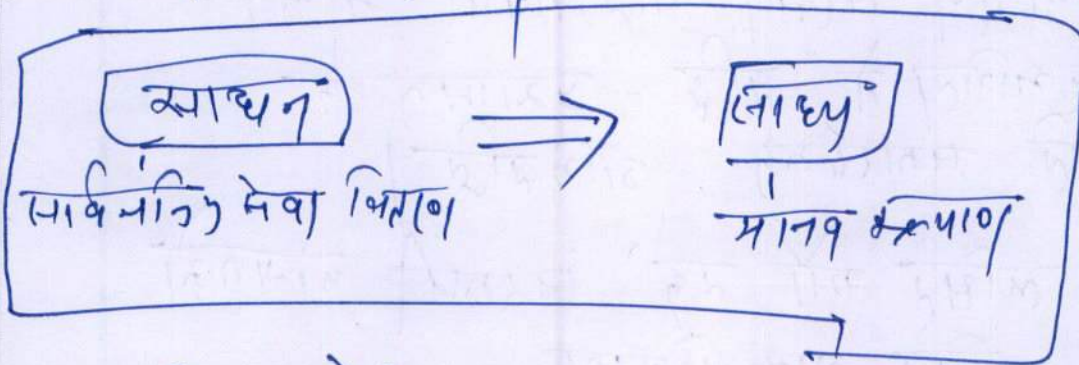
अतः सामाजिक प्रभाव का ~~प्रयोग~~
सकारात्मक प्रयोग पर्यावरण संरक्षण, स्वतंत्र
विकास व उन्नतिशील समाज की
स्थापना का आधार है।

5. (a) Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.

(150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

आधुनिक लोक रूपान्तरकारी राज्य का मुख्य उद्देश्य जन केंद्रित, सुशासन, जन परमागिता युक्त मानव का विकास है तथा सार्वजनिक सेवा का वितरण इसका साधन है।



सेवा वितरण में समन्वय, प्रौद्योगिकी का लाभ

① सार्वजनिक सेवा वितरण में लीकेज व भ्रष्टाचार में कमी -
उदा: छत्तीसगढ़ में ~~₹100~~ माइल

② लोगों की आवश्यकताओं, समस्याओं व पीडाओं का त्वरित व संवेदन

शील तरीके से निष्पादन -

उदा० पिंजरा गैस अभियान - महिला
घरेलू हिंसा।

③ जनकेडित व जन सहभागी प्रशासन
की स्थापना जिससे भवसंस्थान
विकास व समग्र विकास।

④ पर्यावरण संक्षण गतिविधियों में जन
सहभागिता में रुचि - प्रशासन के
प्रति सकारात्मक अभिरुचि।

⑤ लक्षित कर्मी तक सरकारी योजनाओं
का उचित लाभ वितरण -

उदा - प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि -
आधार द्वारा संपादन

अतः समन्वय व औद्योगिकी वर्तमान
प्रशासन के आधार बनने हैं जो
पारदर्शिता, जवाबदेहिता, सत्यनिष्ठा,
ईमानदारी जैसे गुणों को उत्पन्न करते हैं।

5. (b) Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. (150 words) 10

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य मोर्चा शास्य का महान व्यापक
व राजनीति की अन्ती उत्सिद्ध रचना
। अर्थशास्त्र है।

(21वीं सदी में प्रासंगिक शिक्षाएँ)

① देश भाँति राज्य राज्य की सुरक्षा -

बाहरी-व आन्तरिक तन्त्रों से,
राज्य की सुरक्षा -

② राजा का मूल कर्तव्य जनता की सेवा -

जनको डर, जन सहकारी, सत्पाण्यकारी
लोकतांत्रिकी की स्थापना व संवेकशील
प्रशासन)

③ का राज्य व्यवस्था - युद्धियुद्ध,

जोरदारी, व सत्कारात्मकता का व्यवस्था
देश के सर्वांगीण विकास व लक्ष्य हेतु

④ कर्तव्य पालन समय का 21 भाग
शासन - विधि के अनुसार
समाधान/ समय विधि का समाधान
संसाधन

⑤ शासन में इमान दारी, प्रवृत्ति
प्रवृत्ति पर रोम

⑥ आत्मनिर्भरता — अन्तराष्ट्रीय स्तर पर
द संकेतों से जुड़ा गया राजगार की
समस्या

अतः कर्तव्य प्रत्येक समय के
जासगिद के इच्छा

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela (150 words) 10

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।"
- नेल्सन मंडेला

नेल्सन मंडेला का सम्पूर्ण जीवन
मानवता की रक्षा व मानवाधिकारों
की जापना हेतु एक उदाहरण है।
मंडेला के अनुसार सार्थक जीवन
वही है जो परंपरा व दूसरों के
कल्याण हेतु समर्पित होता है।
ज्यासी डिबेमानेड ने भी इंडि-
नाराजों की अवधाना द्वारा
गरीबों, कमजोरों, पिछड़ों के जीवन
के सुधारों के कल्याण का काम किया।
सामन्तवेर शास्त्र में 'सुललीदान'
ने 'परदिर नाम धर्म रक्षी गरि'।

के द्वारा भी इनसे के कल्याण
व विकास हेतु लक्ष्य मार्ग बनाने की
उत्पत्ति है।

मध्य प्रदेश के पी. नरेशी (IAS)
द्वारा चलाया गया सुगम्य आधुनिक
अवलोकन विकास दिशाओं के अन्तर्गत
व इनके विकास से सम्बंध है।

भारतीय संविधान के नीति निर्देशक
तत्वों, उद्देश्यों, मूल अधिकारों,
इत्यादि के जीवन का उद्देश्य इनसे
के जीवन के निरालस्य परमाणु व
समाधान है।

6. (b) "I care only for the Spirit - when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. (150 words) 10

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" -
स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद की का उक्त वाक्य
साध्य व साध्यों की पहिचान से
सम्बंधित है।

विवेकानंद ने किसी समाज व
देश के विकास व सुदृढ़ हेतु मूलभूत
आधारों व बुधारों पर अधिक ध्यान
दिया है।

इस हम महात्मा गांधी के साध्य-
साध्यों के मध्य श्रम व इस सम्बन्धी
असमर्थता अन्योन्याभिर सम्बन्ध के
आलोचन के भी समर्थ सन्देश है।
पाँच मूल - श्रम - श्रम वैलिक होगा तो
आगामी फल भी वैलिक होगा।
विवेकानंदजीका भावना है कि

आधुनिक लोकतंत्र की स्थापना हेतु
सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक,
नैतिक (मानव) व महाद्वि द्वारा ही
लोकतंत्र व विरासत का उच्च
आदर्श प्राप्त किया जा सकता है।

6. (c) "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr (150 words) 10

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" -
मार्टिन लूथर किंग जूनियर

मार्टिन लूथर किंग के अनुसार शांति
के साथ-साथ सार्वजनिक न्याय व
असमानता की उपस्थिति की
अनिवार्य है

शांति व न्याय साथ सहजित हैं व
आत्मतुष्टि के लक्ष्य का निर्माण
देता है। यह भारतीय आदर्श
वसुधैव कुटुम्बकम् व गांधी जी के
सर्वोदय की अवधारणा के अनुरूप
है।

भारतीय संविधान की धर्म व उद्देश्य
नीति निर्देशक तत्वों व प्रभाविता,
व्यक्ति सार्वजनिक प्रभाविता के
आत्मतुष्टि के अधिकारी की उच्च

आदर्श सिद्ध है।

आ. सिद्ध राहु संघ, मानवधिका

निराकरण व मानवधिका व शक्ति के
कार्य करीको के कार्य की शक्ति के
न्याय की दिशा के ओर है।

शक्ति व न्याय द्वारा करीको मानवको
दिना, आदर्श, शक्ति, जन्म व शक्ति
महिला व समाज, अंतराष्ट्रीय उद्योग
की शक्ति समाज के समक्ष है।

सभी शक्ति, समाज, युवावर्ग व
युवाओं के लिए आवश्यक है।

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

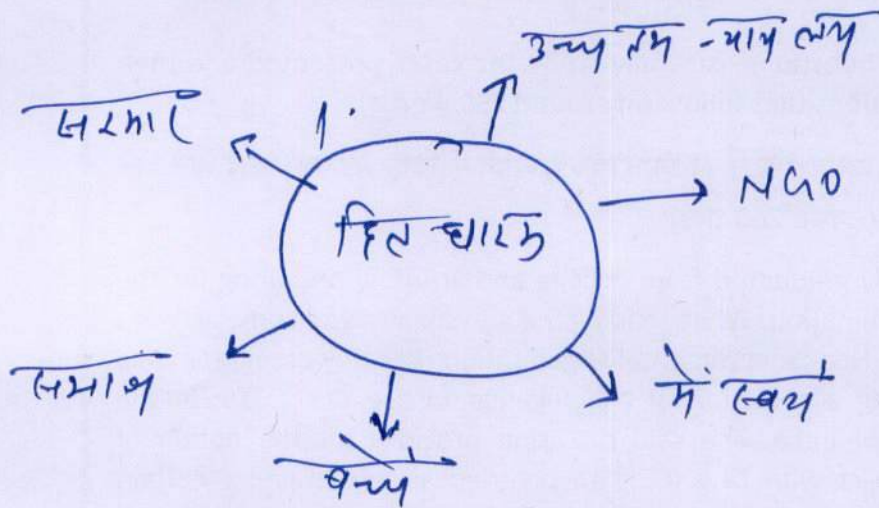
(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? (20)

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

उक्त मामला बाल अधिकार व किशोर
अपराधों से सम्बंधित है



(क)

बच्चों को जघन्य अपराधों की तरह
देखते जाने वाले माता

① सामाजिकता की गलत धारणा
तथा समाज में आपराधिक तत्वों की
बढ़ती उत्पत्ति।

② परिवार, माता-पिता, पिछले जमाने के
शिक्षकों द्वारा उच्चतम मातृत्व उम्मीद
पूरे की उचित तरीके से रोपण करने
में कमजोरी।

③ बच्चों में अपराधों की
गंभीरता के उनके दीर्घ मालीन

दुरुपयोगों की नष्ट जानकारी का
अभाव।

④ कानून व विधि के शासन की
उचित अवस्थिति का अभाव तथा
रान्य-की वसफलता।

⑤ नैतिक सिद्धांतों व नैतिक
विचारों के किये के को में
अनभिज्ञता।

⑥ नैतिकता वरी व उपमोस्वाकडी
संस्कृति के कारण कये अपराधित
तत्वा के सपके में आ जाते हैं।

⑦ अविना गरीबी, बेरोजगारी व
मलीन कलियों के कारण अपराधों में
बढ़ी।

⑧ कानून व विधियों के ~~वैकिक~~
में जागरूकता का अभाव
निष्कर्ष - डिबोर अपराध

① अवसंरचनात्मक मुद्दे - विद्यालयों,
क्रीडा केंद्रों, पुस्तकालयों की सुधार निम्न
अवसंरचना।

② फिल्मों, लोकप्रिय मीडिया, इंटरनेट,
पेनोग्राफी इत्यादि का दुरुपयोग तथा
पर्याप्त निगरानी रखना आवश्यक

③ क्रीडा तथा अधिनियम के उपबंधों में
व्यक्तिगत रूप से सुझाव देने के की
प्रतिष्ठा के पक्ष में रूढ़ि

① अपराध की पहचान के आधार पर
दण्ड दिया जाना आवश्यक।

② यह निवारण के रूप में कार्य
करेगा क्योंकि अपराधों से
कई बार छोटे बच्चों का उपयोग
जान बूझकर होता है।

③ अपराधों में कड़ी आवाजें

④ अन्य अधिनियमों जैसे - नार्वे

अधिनियम, बालस्थ अघिनियमों में भी
14 वर्ष से ऊपर के बच्चों को अपराध
के लक्षण ही माना जाता है।

नैतिकता के विषय में नोट

- ① यह बाल अधिकारों के किफाई है
'संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार संधि'
- ② बच्चों में समानता का अभाव होता है।
- ③ सुधार की गुंजायश नहीं रहती।
- ④ महाधिका के लिए 18 वर्ष को अपराध
माना जाता है कि अपराध हुआ 18 वें
वर्ष से — फिरोज गाँव।
- ⑤ निष्कर्ष: फिरोज के सुधार व
अपराधों में कमी होती राज्य, लक्षण
व सरकार को समन्वित प्रयासों की
आवश्यकता है।

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

(i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

(ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

(iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

(iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

(c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:

(i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।

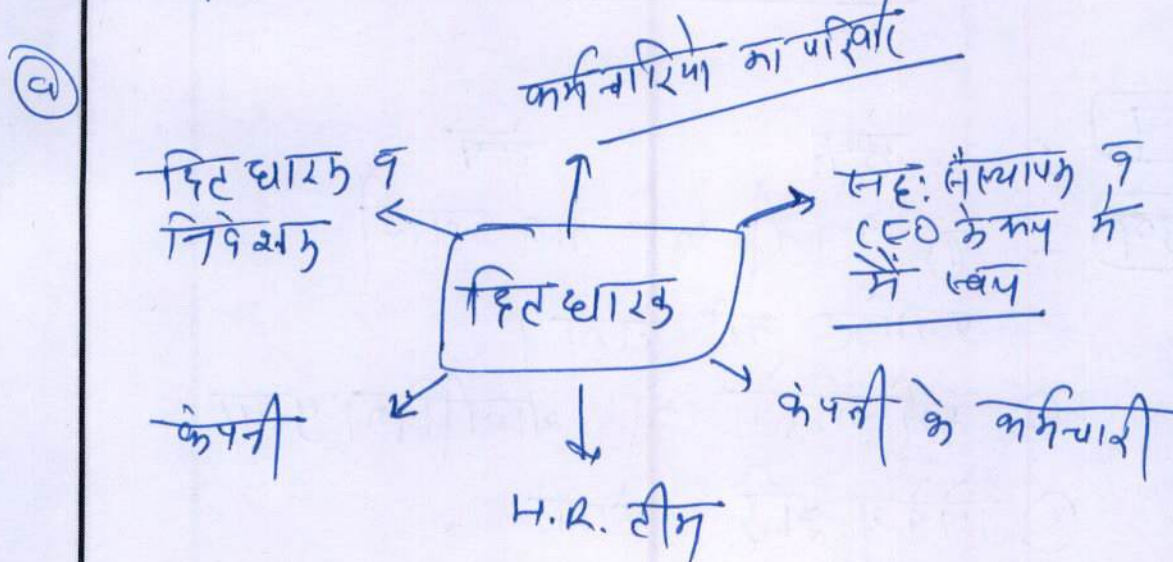
(ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।

(iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।

(iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

(c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

इस दृष्टिगत गणना जांचा जायेगा कि
कंपनी की लाभकारिता व कर्मचारियों
की भावना से संबंधित है।



मुख्य नैतिक मुद्दे

- ① कॉर्पोरेट गवर्नेंस की नैतिकता
- ② कर्मचारियों की जीविका व कंपनी की लाभ उद्वेग
- ③ हितधारकों का निवेश की समग्रता /
- ④ साध्य - साधनों के मध्य द्वन्द्व
- ⑤ कंपनी की लक्ष्यता व दीर्घ भावना पर संकट - कार्य संतुष्टि

⑥

विमर्श -

(i) गुण -

- ① कंपनी की कार्य उगाही प्रभावित नहीं होगी।
- ② कर्मचारियों को आजीविका सुरक्षा
- ③ निवेश बढ़े होगी

दोष →

- ① बाकी कर्मचारियों में अविश्वास व रोष
- ② कर्मचारियों की आजीविका प्रभावित होगी

- [ii] उत्तर - ① कर्मचारियों को तालीम देना होगा।
② निवेशक भी कुछ देंगे।

दिए ① दीर्घकाल में कार्मिकों पर
रोजगार का वक़्त
② कंपनी की वित्तीय भावना
ही होगा

- [iii] उत्तर → ① निवेशक उतार देंगे।
② कंपनी का लाभ बढेगा
③ निवेश बढ़ेगा

दिए → कार्मिकों को रोजगार मिलेगा
→ कार्मिकों को लाभ के कारण कंपनी
मानवत्व के पैरिफ़रि में
होगा स्थिति
→ कार्मिकों के योगदान का मूल्य नहीं
जिससे कार्यसमय उभाड़ित
→ कंपनी की वास्तविकता के जान बख़्श
न माना जायेगा।

(iv) निष्ठा → निवेश बृद्धि
→ लाभ कारिता व उत्पादकता बृद्धि
आर्थिक गारंटी कम

दोष → कारिमों के अनैतिक तथा अविश्वास
→ जो मूल्य कर्मचारियों की उत्पादकता
में कमी
→ कई कारिमों का कंपनी के प्रति
लगाव व दीर्घ जीवन में कमी

©

मेरी कार्यवाही

दिए गए बिन्दुओं के ज्ञान पर मेरे
निम्न कार्यवाही होगी —

- ① व्यक्ति विपरीत स्थिति कमजोर होने
कारण स्वरूप निर्णय व अधिग्रहण
उगाती है
- ② निर्णयों में धारदक्षिता को बढ़ाना
- ③ दिए धारकों व निवेशकों से
मिलकर धारणा परिवर्तित तथा
भावनात्मक बृद्धि तथा मूल्य कर्मचारियों

की बहुत ख्याती ले अकसर खाना।

④ देखी के - दीर्घ मालीन व अल्प मालीन
दोषों ले अकसर खाना - जैसे -

① कंपनी की संख्या में भी जोड़ा

कार्मिकों में लक्ष्यों का अभाव,

हीन भावना भी लगी।

⑤ बाहरी निपेक्ष आकर्षित करने अनुत्पादन
स्तरों में लगी

⑥ कार्मिकों का उचित व अधिकतम
कार्य संपादन हाथ हीन भावना के
जाल में को जेलमान।

⑦ कुछ समय के लिए वेतन में थोड़ी
कटौत होती - तेरे स्वयं के वेतन सहित

⑧ अगर जहा तक हो सके में देखी
उत्क्रिया ले करने का प्रयास करना।
~~कहा पछे में माना~~

जोड़ी कंपनी की सफलता में
कार्मिकों की मदद का अतिम
योगदान हो में मानवता वाली उत्पादन में
उत्पाद करना।

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. (20)

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

दिया गया मामला अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी
संख्या से सम्बंधित है तथा
शरणार्थियों की बड़ी संख्या को
कोविड - 19 महामारी द्वारा
देशों से बचाव से सम्बंधित है अतः
रोहिंग्या, मुकेश, म्यांमार

9) नैतिक मुद्दे

1) मानव अधिकार मुद्दा - शरणार्थियों के अधिकार - शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन

2) मानव जीवन की सुरक्षा, गरिमा, निजता

3) अन्तर्राष्ट्रीय अ शरणार्थी अभिसमयों व संधियों की व्यापक समझना व क्रियान्वयन का मुद्दा।

4) साध्य व साधनों की पवित्रता

5) वृजतीय संर - सुरक्षा व स्थानीय समुदायों की सुरक्षा।

6) आन्तरिक सुरक्षा का मुद्दा।

7) मानव नस्ली व मानव दुर्लक्षता के दृष्टिकोण का संर

⑧ शरणार्थियों के आवास, स्वास्थ्य,
मोजन, व निम्न स्तर संसाधनों की
अपलब्धता

⑨ लोकतान्त्रिक राज्यों का विस्तार

⑥ भारत में शरणार्थियों की वही संख्याओं
के सम्बंध में बताए:-

① एक व्यापक व स्पष्ट शरणार्थी
नीति का निर्माण ताकि तत्कालिक
व अविष्य के आगामी संकट का
सामना किया जा सके।

② सीमा पर व्यापक सुरक्षा के संसाधन
अपलब्ध करना - सीमा सुरक्षा, तकनीक
व वाड - ग्रा वेंडी इण्डिया

③ शरणार्थियों व ले प्रशिक्षित राज्यों के
काशन व्यवस्था को बनाये रखने के
विशेष प्रयास।

- ④ प्रभावित देशों की सरकारों पर उचित दबाव बनाना ताकि शरणार्थी संकट को रोकना ना लें।
- ⑤ एक निश्चित क्षेत्र में अत्याधिक रूप से कैम्पों की स्थापना तथा शरणार्थियों को आवश्यक निम्नतम संसाधन उपलब्ध करना।
- ⑥ पड़ोसी देशों के साथ मिलकर शरणार्थियों को वापिस उनके निवास स्थान पर लौटने की रणनीति बनाना।
- ⑦ संयुक्त राष्ट्र संघ व अन्य ऐंमंथियों जैसे WHO, ILO की सहायता से शरणार्थियों का प्रथम क्षेत्र में पुनर्वास।
- ⑧ अल्पकालीन शरणार्थियों की पहचान करना।
- ⑨ शांति प्राप्त नाइजीरिया का व्यापक जारा एमरिज करना ताकि एंटीडोप सुरक्षा व मानव व शक्ति की स्थिति सुधारे रहे।

⑩ पुनर्विहास सेवकों से शक्ति के
प्रभाव

यूनि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' भारत में
धर्म रहा है ~~भारत~~ भारत में
अ. संप्रदाय राज्य शरणार्थी शक्ति समग्र
हस्ताक्षर की नदी छिप है राज्य मानव
के आधार पर भारत समग्र समग्र
ज्ञान देता रहा है

10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support.

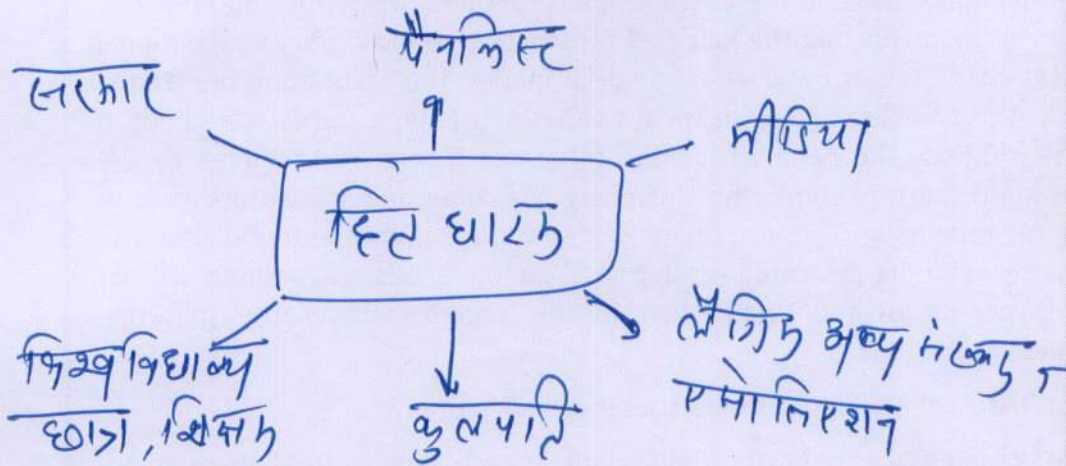
(20)

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगें और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करें। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

उपर्युक्त मामलों का व अधिकारिता की
स्वीकृति तथा लैंगिक अल्प संख्याओं के
सम्मान व अधिकारों से सम्बंधित है।



⑥

नैतिक मुद्दे

- ① अधिकारिता की स्वीकृति व अधिकार अल्प संख्याओं के अधिकार।
- ② अल्प संख्याओं समुदायों की सुरक्षा।
- ③ लैंगिक अल्प संख्याओं व लैंगिक विभेद का मामला।
- ④ मूल अधिकारों व कानूनों के माध्यम से समानता का अधिकार।

⑧ सम्झौतों के व्यापक मैसिंग अलगाव
के अन्तर्गत पूर्ण व्यवस्था।

⑨ अन्य सैनिकों के अधिकार

⑦ स्वतंत्र रूप से राय रखने के
अधिकार का हक - अनु-19(1)

⑥ चूंकि वाक्य के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
संविधान के दिए गए मौलिक अधिकार
है। मेरे
मेरे द्वारा उक्त जाने वाले कदम

① मुद्दों की वस्तु निम्नलिखित से अलग होगी:-

फिल्टर जॉय के लिए पैनलिट
द्वारा खोले गए शब्दों को गीत के
समन्वय तथा उनके अभिव्यक्ति में
इसी तरह त्वरित तरीके से रखना।
ताकि दोनों पक्षों में आरोपों की
भाव्य की भा संकेत

- ② विरोधी एक एगोसिशन के लक्ष्यो में शामिल की अपील करना तथा विस्तर में जॉय के सहयोग की भाग बनना।
- ③ उपलिप्त रिगार्ड, CCTV व अडियो-विडियो सबूतों की मान्य करना।
- ④ बीडिया से शामिल बनाये रखने तथा सापुर्णतिय लौहर्द बनाये रखने की अपील करना।
- ⑤ अधिक मात्रा में विश्व विद्यालय की छात्र का भी है कोट अन्य लेखन समुदायों के अधिकारों का भी।
- ⑥ दोनों पक्षों में शौरिक बुद्ध का प्रयत्न करना जिससे माहौल ज्यादा स्वस्थ न हो।
- ⑦ विस्तर मान्य प्रश्नार्थ प्रति पक्ष आता है कि क्या जमाना समस्त

सस्ती सुरक्षा, शक्ति, लोहाई का
 बिगाड़ने वाला तथा अभिव्यक्ति की
 हमला या लगाये गये लपेटानिने
 मुक्ति उम्ह उरिबेधो का उल्लंघन
 करता है तो उपयुक्त कार्यवाही की
 अनुबंध करना

अतः उम्ह मामले के मिल के
 उपयोगितावाद के अ गांधी के साध्य व
 साधनो की पक्षियों के आधार पर
 निर्णय लूगा

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

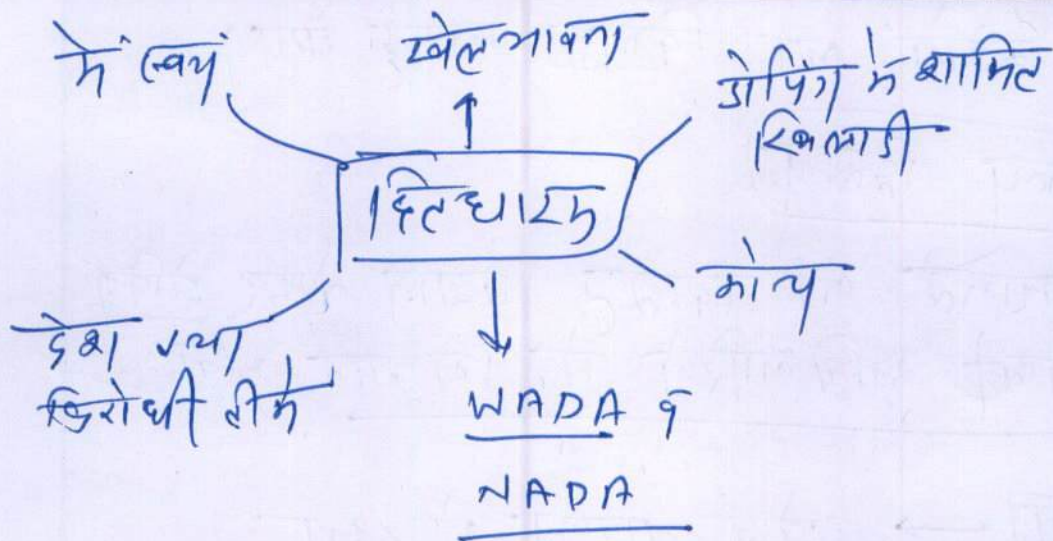
(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

दिया गया मामला खेलों प्रतियोगिता इस
डोपिंग के लिए खिलाड़ियों से
जम्बेधित है और



⑥ मैं पास निम्न लिखित विकल्प उपलब्ध रहे-

① मामले पर ध्यान नहीं देकर शिकायत नहीं करूंगा -

लाभ - ~~प्रतिपक्ष~~ प्रतिपक्ष में मेरी रीत अच्छा उद्वर्तन होगी

→ दोषी खिलाड़ियों पर कार्रवाई नहीं होगी

→ मोच का मेरे ऊपर दोषा सेपरा नहीं होगा

दोष → खेल की भावना के विरुद्ध
→ पकड़े जाने पर देश की
यशस्वी
→ गलत परम्परा की सुधार

↳ खेलों का विकास अवरूढ़ होगा।

विकास द्वितीय

- मामलों का विस्तृत संशोधन लेकर डेटिंग
संस्था अधिकारियों से विभाजन करना

उठा → खेल जीवन की रक्षा
लक्ष्य परिभाषित
मानव दायी व सत्यनिष्ठा खेलों का
मुख्य उठा
दोषियों पर कार्यवाही
समाधानपूर्ण खेल संस्करण

दिप → देश की बदनामी
विकासियों का भेदना या संभल
मार्ग में उठा दुर्भाग्य (व संभल)

अतः द्वितीय विकास के साथ माकान
बेफाई है समान है लक्ष्यनिष्ठ समय
देश की बदनामी है पल-दुर्भाग्य
लक्ष्य व उद्देश्यों के रूप में देश के
जागरणों के खेल जीवन का उचित

विनाश होगा।

⑥ दवाओं के उपयोग के कारण

① खिलडियों के आगमन व जानकारी का
अभाव

② अरबे उद्घाटन का दवाव व गलत
प्रतिक्रिया

③ प्रतिरोधी रूढ़ व विविधता का
अभाव

④ खेल रूढ़ का गलत अभाव

⑤ खेली शक्तियों के निर्माण में
पारदर्शिता का अभाव।

⑥ कोचों द्वारा उन्हें नहीं मानने के
कारण दवाव दिया जाता है

⑦ अधिक मात्रा व आपूर्ति का
अभाव

⑧ नाश के पास शामिलों का अभाव

⑨ तकनीक का दुरुपयोग

कम जाने के उपाय

- ① खेलों के जहाँ जागरूकता 5 अप्रैल
जोड़ना सीखा है।
- ② जेपिंग के जहाँ जीरो रोलिंग।
- ③ लुई से पूर्व अकिषाई जेप टेस्ट
- ④ आवाज़ और अभिनय का विकास
- ⑤ परिचय, मोटो, विचारों को
जोड़ना जानकारी व शिक्षा
- ⑥ अन्तराष्ट्रीय लक्ष्यों व समन्वय
जोड़ना जोड़ना में हम के
विचारों को जोड़ना के कारण उन्निवृद्धि
का दिया गया है।
- अतः जेपिंग के जहाँ लक्ष्यों व
लक्ष्यों कापवादी आवश्यक है

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

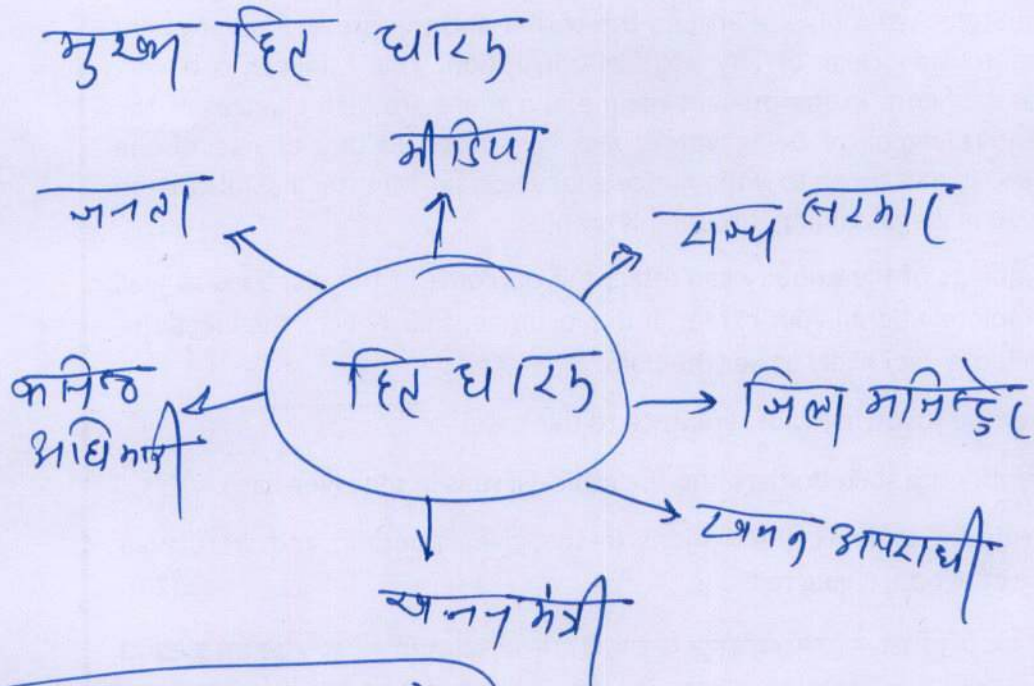
- (a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.
- (b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. (20)

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे। इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

- (a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।
- (b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

उम्ह मामला कैवैध लग्न अल्लाना व
सामनेला व अपराधिग गठमोड मोड

⑥



मुख्य नैतिक मुद्दे

① प्रशासनिक मुद्दाया — सामनेला व
अपराधी गठमोड।

② सत्यनिष्ठा का मुद्दा

③ कानून की समान कार्यवाही व
विधि का समान प्रयोग

① निष्पत्ति रूप में - मेरे माय उमर
कार्यवाही

④ प्राकृतिक सं संसाधनों का संरक्षण

⑤ कानून व शांति बनाए रखने

⑥ अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना

⑦ लोकसभा व राज्य सभा के उपाध्यक्ष बनने
का सुझाव

⑧ समाजवादी कार्यवाही का सुझाव

⑥ ~~समाजवादी~~ की गई स्थिति के बारे में बात
उपलब्ध विवरण

① मंत्रीजी की के निर्देशों में मानकर
कार्यवाही करना -

② → मंत्रीजी व सरकार की
उत्पत्ति वही रहेगी
→ मेरी स्थिति सरकार की
उत्पत्ति वही रहेगी

दोष → अवैध कार्य विन. व उल्लंघन जारी रहेगा।
 → दोषी पर कार्यवाही नहीं
 → निर्दोष कहिले पर कार्यवाही अनैतिक

प्रिन्सिपल नं० २

मंत्री की बात पर ध्यान न देकर उपयुक्त कार्यवाही करना -

गुण → अवैध विन. पर रोक लग अपराधियों पर कार्यवाही मिलने सिद्ध के समस्त समानता।
 → लोक लेकाओं के प्रत्येक का संरक्षण
 → भूमिगतों की मुक्ति व नष्टोत्पत्ति
 → उल्लंघन पर रोक

दोष → मंत्री नाराज हो सकते हैं।
 → आगामी सरकार के तत्वावधान में

किसी शासनगत २ कार्यवाही सम्बन्ध
 (मेरी कार्यवाही)
 काल में लोभनेवालों के आघात पर
 मुझों को संज्ञान में लाने हेतु
 मैं विवेक का चयन करता।